Hitch of India

ग्रसाचारण

EXTRAORDINARY

भारत **रि—-श**णक १

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 112]

नई विल्ली, श्कार, भगस्स छ, 1971/श्रावण 15, 1893

No. 112]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 6, 1971/SRAVANA 15, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICES

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 6th August 1971

SUBJECT:—Import of spare parts of machinery from Rupee Payment Area during April 1971—March 1972.

No. 95-ITC(PN)/71.—Attention is invited to the provisions made for the import of spare parts from Rupee Payment Area, in Part 'F' of Section I in Vol. I of the Import Trade Control Policy (Red Book) for April 1971-March 1972.

2. It has been decided that applications under the aforesaid provision should be made to the C.C.I. & E. (Special Licensing Cell) Office, Udyog Bhavan, New Delhi and not to the regional licensing authorities concerned.

विवेश क्लप्सर मंत्रालय

सार्वजनिक सूचनाएं

श्रायात व्यापार नियंद्रण

नई विल्ली, 6 ध्रगस्त 1971

विषय: ग्रप्रील, 1971---मार्च, 1972 के दौरान रुपये में भुगतान क्षेत्र से मशीनों के फालतू पुजी का भ्रायात

सं० 95-माई०टी०सी० (पी०एन०)/71 .-- प्रप्रैल, 1971-मार्च, 1972 के लिए प्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (रैडबुक) के बा० 1 के खण्ड 1 के भाम-एफ में रुपये में भुगतान केत्र से फालतु पूजों के प्रायात के लिए की गई व्यवस्थाओं की घोर ध्यान श्राहुब्द किया जाता है।

2. यह निश्चय किया गया है कि उपर्युक्त व्यवस्थाम्रों के म्रनुसार म्रावेदन पत्न मुख्य नियंत्रक म्रायात-निर्यात (विभोष लाइसेंस सेल) का कार्यालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली को भेजा जाना चाहिए म्रौर न कि सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को।

Subject: —Import policy for Actual users in the small scale sector for April 1971—March 1972—allocations for non-ferrous metals.

No. 96-ITC(PN)/71.—It has been laid down in paragraph 36 of Section I of the Red Book (Vol. I) for the period April '71-March '73 that the entitlement of small scale units in respect of non-ferrous metals will be increased by 50 per cent on the basis of import licences/release orders issued for April '70-March '71,

- 2. On a review of the position, it has been decided that in the case of units engaged in non-priority industries, which did not obtain release orders for non-ferrous metals as actual users for the licensing period April 1970-March 1971, will be eligible for 50 per cent increase on the basis of the value of release orders for non-ferrous metals obtained by them as actual users for the period April 1969-March 1970.
- 3. It has further been decided that in the case of units engaged in priority industries, the increase in the allocation of non-ferrous metals at 50 per cent will be allowed over the c.i.f. value of actual consumption of imported non-ferrous metals on the basis of which the units claim their import licences for raw materials during the period April 1971-March 1972, in accordance with the policy and the procedure laid down. Such units should, therefore, furnish separately in the consumption certificate the c.i.f. value of imported non-ferrous metals consumed by them in a given period, while applying for import licences for raw materials during April 1971 March 1972 in accordance with the prescribed procedure.
- 4. The provisions contained in the aforesaid Para 36 of the Red Bock may be deemed to have been amended accordingly.

विषय: श्रप्रैल, 1971---मार्च, 1972 के लिए लघु क्षेत्र उद्योगों में लगे हुए वास्तविक उपभोक्ताश्रों के लिए श्रायात नीति---श्रलीह धातुश्रों के ियं नियतन।

सं० 96-माई०टी०सी० (पी०एन०) / 71 .—- प्रप्रेल. 1971--- मार्च, 1972 प्रविध के लिए रैंडबुक बा० नं० 1 के खंड 1 की कंडिका 36 में यह निर्धारित किया गया है कि लघु पैमाने एककों के सम्बन्ध में अलौह धातुओं की हकदारी की अप्रैल, 1970--- मार्च, 1971 के लिए जारी किए गए प्रायात लाइसेंसों/निकासी श्रादेशों के साधार पर 50 प्रतिशत तक की बृद्धि की जाएगी।

- 2. स्थिति की पुनरीक्षा करने के बाद यह निश्चय किया गया है कि अप्राथमिकता प्राप्त उद्योगों में लगे हुए उन एककों के मामले में जिन्होंने अप्रैल, 1970—मार्च, 1971 लाइसेंस अविध के लिए वास्तविक उपभोक्ताओं के रूप में अलौह धातुओं के लिए निकासी आदेश नहीं प्राप्त किए थे, वे अप्रैल, 1969—मार्च, 1970 अविध के लिए उनके द्वारा वास्तविक उपयोक्ताओं के रूप में अलौह धातुओं के लिए प्राप्त किए गए निकामी आदेशों के मूल्य के आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए पात होंगे।
- 3. आगे यह निक्ष्मय किया गया है कि वे एकक जो प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों में लगे हुए हैं, उनके मामले में अलौह धातुओं का नियतन 50 प्रतिशत की दर से आयातित अलौह धातुओं के वास्तिवक उपयोक्ता के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य पर स्वीकृति दी जाएगी जिसके आधार पर ये एकक निर्धारित की गई नीति और प्रक्रिया के अनुसार, अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 की अवधि के दौरान कच्चे माल के लिए अपने आयात लाइसेंसो का दावा करेंगे। अतः ऐसे एककों को चाहिए कि वे जब निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 अवधि के दौरान कच्चे मालों के हेतु आयात लाइसेंमों के लिए आवंदन कर रहे हो तो उनके द्वारा आयातित अलौह धातुओं का किए गए उपभोग के लागत वीमा-भाड़ा मृल्य को उपभोग प्रमाण-पन्न में अलग से प्रस्तुत करें—
- 4. र इबुक की उपर्युक्त कंखिका 36 में दी गई व्यवस्थाश्रो को तदनुसार संशोधित किया गया समझा जाए ।

एम० एम० सेन, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात ।∞